लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक जागरण
दिनांक 6.2.2020 पृष्ठ सं. 14 कॉलम 2-5

किसानों की आय दोगुनी करने को एचएयू में तैयार होगी कृषि विज्ञान केंद्रों की योजना

कई राज्यों के कृषि विज्ञान केन्द्रों की राज्य स्तरीय योजना विषय पर कार्यशाला का आयोजन

जागरण संवाददाता, हिसार : किसानों की आय दोगुनी करने में कृषि विज्ञान केन्द्र अहम रोल निभा सकते हैं। इसको देखते हुए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में हरियाणा, दिल्ली सहित अन्य राज्यों के कृषि विज्ञान केन्द्रों की राज्य स्तरीय योजना (2020) विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह मुख्य अतिथि रहे। कार्यशाला में विशेषज्ञों ने बताया कि किस प्रकार से किसानों की आय दोगुनी की जा सकती है। ऐसा करने के लिए रोडमैप भी तैयार किया जा रहा है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कार्यशाला को संबोधित करते कुलपति प्रो. केपी सिंह। • विज्ञप्ति

इन उपायों के माध्यम से बढ़ सकती है किसानों की आय

दोगुनी से अधिक भी कर सकते हैं आय : प्रो सिंह

कुलपति प्रो. केपी सिंह ने बताया कि कृषि विज्ञान केन्द्रों को अपने कार्य, योजनाओं एवं उनके क्रियान्वयन में अमूल-चूल परिवर्तन लाने की आवश्यकता है, ताकि तेजी से बदलती हुई परिस्थितियों में कृषि विज्ञान केन्द्र अपनी सार्थकता सिद्ध कर सकें। सर्वश्रेष्ठ विस्तार विशेषज्ञ बनने के लिए उन्हें सर्वस्पर्शी होना बहुत आवश्यक है। भारत में 86 प्रतिशत किसान छोटे और सीमांत हैं। इसमें से 65 फीसदी किसान 35 साल से कम उम्र के हैं। उनकी रूचि खेती की तरफ घटती जा रही है, जो चिन्ता का विषय है। इस वर्ग को फोकस किया जाए।

रोजगार से जोड़ने वाले कार्यक्रम हों शामिल

जोधपुर स्थित कृषि तकनीकी अनुप्रयोग संस्थान जोन-2 के निदेशक डा. एसके सिंह ने कहा कि देश की खाद्य सुरक्षा के लिए कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा विभिन्न क्षेत्रों के लिए फसलवार कार्य योजना बनाई जा रही है। इसके अतिरिक्त कृषि व्यवसाय से विमुख हो रहे युवाओं को कृषि से जोड़ने के लिए रोजगारोन्मुखी कार्यक्रम भी बनाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कृषि विज्ञान केन्द्रों की कृषि को बिजनेस मॉडल बनाने की प्राथमिकता होनी चाहिए।

एक कृषक परिवार की आय

भारत सरकार के राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण संगठन सांख्यिकी मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार 2016 के दौरान (2012-2013) के तहत भारत में औसत एक कृषक परिवार की 6426 रुपये प्रति माह और 2018-19 रिपोर्ट के अनुसार 10329 रुपये माह थी। कार्यशाला में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के अधीन हरियाणा के 14 कृषि विज्ञान केन्द्रों के वरिष्ठ संयोजकों, एनडीआरआइ, करनाल, नई दिल्ली एवं तीन स्वयं सहायता समूहों के संयोजकों ने अपने-अपने कृषि विज्ञान केन्द्रों की कार्य योजनाओं पर प्रस्तुति दी।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम......अमर उजाला......
दिनांक....6 : 2 : 2020.... पृष्ठ सं....6.... कॉलम....3-5....

कृषि को बिजनेस मॉडल बनाने में प्राथमिकता दें : डॉ. एसके सिंह

अमर उजाला ब्यूरो

एचएयू में हुई कृषि विज्ञान केंद्रों की राज्य स्तरीय योजना विषय पर कार्यशाला

कार्यशाला को संबोधित करते कुलपति प्रो. केपी सिंह। - अमर उजाला

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में बुधवार को हरियाणा व दिल्ली के कृषि विज्ञान केंद्रों की राज्य स्तरीय योजना विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में कृषि तकनीकी अनुप्रयोग संस्थान, जोन-2, जोधपुर के निदेशक डॉ. एसके सिंह ने कहा कि देश की खाद्य सुरक्षा के लिए कृषि विज्ञान केंद्रों द्वारा विभिन्न क्षेत्रों के लिए फसलवार कार्य योजना बनाई जा रही है।

उन्होंने कहा कृषि विज्ञान केंद्रों की कृषि को बिजनेस मॉडल बनाने की प्राथमिकता होनी चाहिए। वहीं, कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कहा कि कृषि विज्ञान केंद्रों को अपने काम, योजनाओं व क्रियान्वयन में परिवर्तन लाने की नितांत आवश्यकता है ताकि तेजी से बदलती हुई परिस्थितियों में केंद्र अपनी सार्थकता सिद्ध कर सकें। भारत में 86 प्रतिशत किसान छोटे और सीमांत हैं। इसमें से 65 फीसदी किसान 35 साल से कम उम्र के हैं और उनकी रुचि खेती की तरफ घटती जा रही हैं, जो चिंता का विषय है। कार्यशाला में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के अधीन हरियाणा के 14 कृषि विज्ञान केंद्रों के वरिष्ठ संयोजकों, एनडीआरआई, करनाल, नई दिल्ली एवं तीन स्वयं सहायता समूहों के संयोजकों ने अपने-अपने कृषि विज्ञान केंद्रों की कार्य योजनाओं पर प्रस्तुति दी ।

लोक संपर्क कार्यालय

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम........हरि भूमि........

दिनांक....6. 2. 2020.... पृष्ठ सं....14.... कॉलम....6-7....

'सर्वश्रेष्ठ विस्तार विशेषज्ञ के लिए सर्वस्पर्शी होना जरूरी'

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में बुधवार को हरियाणा एवं दिल्ली राज्यों के कृषि विज्ञान केन्द्रों की राज्य स्तरीय योजना (2020) विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे। प्रो. सिंह ने उपस्थित कृषि विज्ञान केन्द्रों के संयोजकों एवं कृषि वैज्ञानिकों को संबोधित करते हुए कहा कि कृषि विज्ञान केन्द्रों को अपने कार्य, योजनाओं एवं उनके क्रियान्वयन में अमूल-चूल परिवर्तन लाने की नितांत आवश्यकता है, ताकि तेजी से बदलती हुई परिस्थितियों में कृषि विज्ञान केन्द्र अपनी सार्थकता सिद्ध कर सकें। उन्होंने विस्तार विशेषज्ञों से आह्वान किया कि सर्वश्रेष्ठ विस्तार विशेषज्ञ बनने के लिए उन्हें सर्वस्पर्शी होना बहुत आवश्यक है। कृषि तकनीकी अनुप्रयोग संस्थान, जोन-2, जोधपुर के निदेशक डॉ. एस.के. सिंह ने कहा कि देश की खाद्य सुरक्षा के लिए कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा विभिन्न क्षेत्रों के लिए फसलवार कार्य योजना बनाई जा रही है।

कार्यशाला में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के अधीन हरियाणा के 14 कृषि विज्ञान केन्द्रों के वरिष्ठ संयोजकों, एनडीआरआई, करनाल, नई दिल्ली एवं तीन स्वयं सहायता समूहों के संयोजकों ने अपने-अपने कृषि विज्ञान केन्द्रों की कार्य योजनाओं पर प्रस्तुति दी तथा भविष्य की योजनाओं पर मंथन किया। इस दौरान मानव संसाधन एवं प्रबन्धन निदेशक, डॉ. एमएस सिद्धपुरिया, डॉ. अश्वनी कुमार, अटारी जोधपुर के मुख्य वैज्ञानिक डॉ. बीएल जांगिड़ व डॉ. एमएस मीणा, डॉ. सूबे सिंह उपस्थित थे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम: सिटी पल्स
दिनांक: 5.2.2020 पृष्ठ सं.: 3 कॉलम: 3-6

सर्वश्रेष्ठ विस्तार विशेषज्ञ बनने के लिए सर्वस्पर्शी होना जरूरीः प्रो. सिंह

हिसार। कार्यशाला को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. के.पी. सिंह।

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आज हरियाणा एवं दिल्ली राज्यों के कृषि विज्ञान केन्द्रों की राज्य स्तरीय योजना विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे।

प्रो. सिंह ने उपस्थित कृषि विज्ञान केन्द्रों के संयोजकों एवं कृषि वैज्ञानिकों को संबोधित करते हुए कहा कि कृषि विज्ञान केन्द्रों को अपने कार्य, योजनाओं एवं उनके क्रियान्वयन में अमूल-चूल परिवर्तन लाने की नितांत आवश्यकता है ताकि तेजी से बदलती हुई परिस्थितियों में कृषि विज्ञान केन्द्र अपनी सार्थकता सिद्ध कर सकें। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण संगठन (एनएसएसओ) सांख्यिकी मंत्रालय, भारत सरकार की रिपोर्ट के अनुसार, 2016 के दौरान (2012-2013) के तहत, भारत में एक औसत कृषक परिवार ने रु. 6,426 प्रति माह और 2018-19 रिपोर्ट के अनुसार, एक कृषक परिवार की औसत आय बढ़कर प्रति माह 10,329 रुपये हो गयी है। इस प्रकार भारत सरकार के लक्ष्य वर्ष 2022 तक हम किसान की आय न केवल दोगुनी बल्कि इससे भी ज्यादा कर सकते हैं।

उन्होंने किसानों के चहुंमुखी विकास के लिए कृषि विज्ञान केन्द्रों को गतिविधि केन्द्र के रूप में विकसित करने का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा इस कार्यशाला के दौरान किसानों के हितों को ध्यान में रखकर एक मजबूत, प्रभावी एवं टिकाऊ योजना तैयार की जानी चाहिए।

कृषि तकनीकी अनुप्रयोग संस्थान, जोन-2, जोधपुर के निदेशक डॉ. एस.के. सिंह ने कहा कि देश की खाद्य सुरक्षा के लिए कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा विभिन्न क्षेत्रों के लिए फसलवार कार्य योजना बनाई जा रही है। इसके अतिरिक्त कृषि व्यवसाय से विमुख हो रहे युवाओं को कृषि से जोड़ने के लिए रोजगारोन्मुखी कार्यक्रम भी बनाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कृषि विज्ञान केन्द्रों की कृषि को बिजनेस मॉडल बनाने की प्राथमिकता होनी चाहिए। इससे पूर्व विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा ने अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया। कार्यशाला में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के अधीन हरियाणा के 14 कृषि विज्ञान केन्द्रों के वरिष्ठ संयोजकों, एनडीआरआई, करनाल, नई दिल्ली एवं तीन स्वयं सहायता समूहों के संयोजकों ने अपने-अपने कृषि विज्ञान केन्द्रों की कार्य योजनाओं पर प्रस्तुति दी तथा भविष्य की योजनाओं पर मंथन किया। इस अवसर पर मानव संसाधन एवं प्रबन्धन निदेशक, डॉ. एमएस सिद्धपुरिया, डॉ. अश्वनी कुमार, अटारी जोधपुर के मुख्य वैज्ञानिक डॉ. बीएल जांगिड़ व डॉ. एम.एस. मीणा, डॉ. सुबे सिंह, आदि उपस्थित थे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम: नभ-छोर
दिनांक: 5.2.2020 पृष्ठ सं. 2 कॉलम 2-6

सर्वश्रेष्ठ विस्तार विशेषज्ञ बनने के लिए सर्वस्पर्शी होना जरूरी : प्रो. सिंह

हिसार/05 फरवरी/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आज हरियाणा एवं दिल्ली के कृषि विज्ञान केन्द्रों की राज्य स्तरीय योजना (2020) विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें कुलपति प्रो. केपी सिंह मुख्य अतिथि थे। प्रो. सिंह ने उपस्थित कृषि विज्ञान केन्द्रों के संयोजकों एवं कृषि वैज्ञानिकों को संबोधित करते हुए कहा कि कृषि विज्ञान केन्द्रों को अपने कार्य, योजनाओं एवं उनके क्रियान्वयन में अमूल-चूल परिवर्तन लाने की नितांत आवश्यकता है ताकि तेजी से बदलती हुई परिस्थितियों में कृषि विज्ञान केन्द्र अपनी सार्थकता सिद्ध कर सकें। उन्होंने विस्तार विशेषज्ञों से आहब्रान किया कि सर्वश्रेष्ठ विस्तार विशेषज्ञ बनने के लिए उन्हें सर्वस्पर्शी होना बहुत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि भारत में, 86 प्रतिशत किसान छोटे और सीमांत हैं। इसमें से 65 फीसदी किसान 35 साल से कम उम्र के हैं तथा उनकी रूचि खेती की तरफ घटती जा रही है जो चिन्ता का विषय है। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण संगठन (एनएसएसओ) सांख्यिकी मंत्रालय, भारत सरकार की रिपोर्ट के अनुसार, 2016 के दौरान (2012-2013) के तहत, भारत में एक औसत कृषक परिवार रु. 6,426 प्रति माह और 2018-19 रिपोर्ट के अनुसार, एक कृषक परिवार की औसत आय बढ़कर प्रति माह 10,329 रुपये हो गयी है। इस प्रकार भारत सरकार के लक्ष्य वर्ष 2022 तक हम किसान की आय न केवल दोगुनी बल्कि इससे भी ज्यादा कर सकते है। उन्होंने किसानों के चहुंमुखी विकास के लिए कृषि विज्ञान केन्द्रों को गतिविधि केन्द्र के रूप में विकसित करने का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा इस कार्यशाला के दौरान किसानों के हितों को ध्यान में रखकर एक मजबूत, प्रभावी एवं टिकाऊ योजना तैयार की जानी चाहिए। उन्होंने कहा समय-समय पर सरकार की ओर से किसानों के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं शुरू की जाती हैं। कृषि विज्ञान केन्द्र सुनिश्चित करें कि इन योजनाओं का लाभ किसानों को मिल सके। उन्होनें समन्वित कृषि प्रणाली के समूह बनाने पर जोर दिया। कृषि तकनीकी अनुप्रयोग संस्थान, जोन-2, जोधपुर के निदेशक डॉ. एसके सिंह ने कहा कि देश की खाद्य सुरक्षा के लिए कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा विभिन्न क्षेत्रों के लिए फसलवार कार्य योजना बनाई जा रही है। इसके अतिरिक्त कृषि व्यवसाय से विमुख हो रहे युवाओं को कृषि से जोड़ने के लिए रोजगारोंमुखी कार्यक्रम भी बनाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कृषि विज्ञान केन्द्रों की कृषि को बिजनेस मॉडल बनाने की प्राथमिकता होनी चाहिए। इससे पूर्व विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा ने अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया। कार्यशाला में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के अधीन हरियाणा के 14 कृषि विज्ञान केन्द्रों के वरिष्ठ संयोजकों, एनडीआरआई, करनाल, नई दिल्ली एवं तीन स्वयं सहायता समूहों के संयोजकों ने अपने-अपने कृषि विज्ञान केन्द्रों की कार्य योजनाओं पर प्रस्तूति दी तथा भविष्य की योजनाओं पर मंथन किया। इस अवसर पर मानव संसाधन एवं प्रबन्धन निदेशक, डॉ. एमएस सिद्धपुरिया, डॉ. अश्वनी कुमार, अटारी जोधपुर के मुख्य वैज्ञानिक डॉ. बीएल जांगिड़ व डॉ. एमएस मीणा, डॉ. सूबे सिंह आदि उपस्थित थे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम....हरि.भूमि....
दिनांक...6.2.2020... पृष्ठ सं....14.... कॉलम...2-4...

कौशल ज्ञान देकर गांवों से पलायन रोका जा सकता है : डॉ. संजेश सिंह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

■ सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण संस्थान में प्रशिक्षण शिविर संपन्न

युवा किसी लघु व्यवसाय से शुरूआत करके भविष्य में सफल उद्यमी बनकर दूसरे ग्रामीण बेरोजगार युवकों को भी रोजगार दे सकता है। ऐसा होने पर जो ग्रामीण रोजगार के अभाव में गांवों से शहरों की तरफ पलायन हो रहा है, उसको काफी हद तक कम किया जा सकता है। यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह की धर्मपत्नी डॉ. संजेश सिंह ने विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण संस्थान में आयोजित सात प्रशिक्षण शिविरों के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि की। कटाई व सिलाई, वैलरी मेकिंग, दूध से बने उत्पाद, मधु मक्खी पालन, फल व सब्जी परिक्षण व मशरूम उत्पादन के सहित सात प्रशिक्षणों का समापन हुआ। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के तौर पर केन्द्रीय अनुसंधान भैंस, हिसार के निदेशक, डॉ. एसएस दहिया उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता अधिष्ठाता, गृह विज्ञान महाविद्यालय, डॉ. बिमला ढांडा ने की। वैलरी मेकिंग, दूध से बने उत्पाद, व फल व सब्जी परिरक्षण प्रशिक्षण केन्द्रीय अनुसंधान भैंस द्वारा आयोजित किए गए।

हिसार। प्रतिभागियों को सर्टीफिकेट वितरित करते मुख्य अतिथि।

सह निदेशक प्रशिक्षण, डॉ. मंजू दहिया ने सभी का स्वागत किया। इस कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुरेन्द्र सिंह ने किया।

लोक संपर्क कार्यालय

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम......अमर उजाला, दैनिक भास्कर......

दिनांक......6.2.2020...... पृष्ठ सं......2, 5...... कॉलम......3-4, 4......

युवाओं को कौशल ज्ञान देकर स्वरोजगार के अवसर करें प्रदान : डॉ. संजेश सिंह

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण संस्थान में प्रशिक्षण कैंप का समापन हुआ। कार्यक्रम में कुलपति प्रो. केपी सिंह की पत्नी डॉ. संजेश सिंह मुख्यातिथि के तौर पर पहुंची। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के तौर पर केन्द्रीय अनुसंधान भैंस, हिसार के निदेशक, डॉ. एसएस दहिया उपस्थित थे। इस मौके पर डॉ. संजेश सिंह ने कहा कि देश में अधिकतर आबादी अपनी आजीविका के लिए कृषि पर आधारित है। परंतु बढ़ती जनसंख्या, आवासीयकरण व औद्योगीकरण के कारण कृषि योग्य भूमि निरंतर घट रही है। बेरोजगारी को कम करने के लिए हमें युवाओं को कौशल ज्ञान देकर उन्हें स्वरोजगार के अवसर प्रदान करने चाहिए। कार्यक्रम में मुख्यातिथि ने 200 प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट वितरित किए। डॉ. दहिया ने प्रतिभागियों से अपील की कि इन प्रशिक्षणों से प्राप्त ज्ञान से स्वयं का कार्य शुरू करें व साथ ही पशु पालन सही तरीके से करने पर लाखों रुपये की आमदनी भी करें। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुरेंद्र सिंह ने किया।

कौशल ज्ञान देकर गांवों से किसानों का पलायन रोका जा सकता है : डॉ. संजेश

हिसार | एचएयू के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण संस्थान में कटाई, सिलाई, ज्वेलरी मेकिंग, दूध से बने उत्पाद, मधुमक्खी पालन, फल व सब्जी और मशरूम उत्पादन के चल रहे सात दिवसीय प्रशिक्षण का गुरुवार को समापन हो गया। मुख्य अतिथि विवि के कुलपति प्रो. केपी सिंह की धर्मपत्नी डॉ. संजेश सिंह रही। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के तौर पर केन्द्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. एसएस दहिया उपस्थित रहे। प्रशिक्षण में ज्वेलरी मेकिंग, दूध से बने उत्पाद और फल व सब्जी प्रशिक्षण केन्द्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान द्वारा आयोजित किए गए। डॉ. संजेश सिंह ने कहा कि भारत देश में अधिकतर आबादी अपनी आजीविका के लिए कृषि पर आधारित है। बेरोजगारी को कम करने के लिए हमें युवाओं को कौशल ज्ञान देकर उन्हें स्वरोजगार के अवसर प्रदान करने चाहिए।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम: सिटी पल्स
दिनांक: 5.2.2020 पृष्ठ सं. 3 कॉलम 3-5

कौशल ज्ञान देकर गांवों से पलायन रोका जा सकता है : डॉ. संजेश सिंह

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण संस्थान में कटाई व सिलाई, ज्वैलरी मेकिंग, दूध से बने उत्पाद, मधु मक्खी पालन, फल व सब्जी परिरक्षण व मशरूम उत्पादन सहित सात प्रशिक्षणों का समापन हुआ। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह की धर्मपत्नी डॉ. संजेश सिंह थी। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के तौर पर केन्द्रीय अनुसंधान भैंस, हिसार के निदेशक, डॉ. एसएस दहिया उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता अधिष्ठाता, गृह विज्ञान महाविद्यालय, डॉ. बिमला ढाण्डा ने की। डॉ. संजेश सिंह ने प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि बेरोजगारी को कम करने के लिए हमें युवाओं को कौशल ज्ञान देकर

हिसार। मुख्य अतिथि प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट वितरित करते हुए।

उन्हें स्वरोजगार के अवसर प्रदान करने चाहिए। मुख्य अतिथि ने 200 प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट भी वितरित किए व उनके उज्ज्वल भविष्य की भी कामना की। डॉ. बिमला ढाण्डा ने कहा कि प्रदेश में स्थापित विभिन्न कृषि विज्ञान केन्द्रों पर भी विभिन्न तरह के प्रशिक्षण ग्रामीण युवाओं व महिलाओं के लिए समय-समय पर आयोजित होते रहते है। सह निदेशक प्रशिक्षण, डॉ. मंजू दहिया ने सभी का स्वागत किया। इस कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुरेन्द्र सिंह ने किया।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम....दैनिक भास्कर....
दिनांक....6.2.2020.... पृष्ठ सं....3.... कॉलम....2-3....

खुम्ब उत्पादन अपनाकर बनें आत्मनिर्भरः डॉ. सुरजीत सिंह

एचएयू में खुम्ब उत्पादन पर प्रशिक्षण शिविर आयोजित

एचएयू में खुम्ब प्रशिक्षण के दौरान मौजूद अतिथि व अन्य प्रतिभागी

भास्कर न्यूज | हिसार

एचएयू में स्वर्ण जयंती समारोह के उपलक्ष्य में अनुसूचित जाति व जनजाति के स्नातक व स्नातकोत्तर छात्र-छात्राओं के लिए दस दिवसीय खुम्ब उत्पादन तकनीक पर प्रशिक्षण शिविर लगाया गया। इसमें 36 छात्र व छात्राओं ने हिस्सा लिया। यह प्रशिक्षण छात्र कल्याण निदेशालय तथा पौध रोग विभाग के तत्वावधान में आयोजित किया गया। इस समारोह के मुख्य अतिथि के तौर पर पौध रोग विभाग के रिटायर्ड प्राध्यापक डॉ. सुरजीत सिंह उपस्थित रहे।

डॉ. सुरजीत सिंह ने कहा कि छात्र अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद खुम्ब से सम्बन्धित व्यवसाय जैसे स्पॉन प्रयोगशाला, कम्पोस्टिंग यूनिट, खुम्ब प्रसंस्करण इत्यादि की इकाइयां लगा कर स्वरोजगार प्राप्त कर सकते हैं तथा दूसरों को रोजगार देकर पुण्य के भागीदार बन सकते हैं। प्रशिक्षण में विभागाध्यक्ष पौध रोग विभाग डॉ. अनिल कुमार ने कहा कि खुम्ब को विश्वभर में प्राचीनकाल से ही विभिन्न बीमारियों के उपचार के लिए प्रयोग में लिया जाता रहा हैं।

खुम्ब एक संतुलित आहार है जिसमें प्रोटीन, आवश्यक अमीनो एसिड, खनिज, लवण इत्यादि प्रचूर मात्रा में उपलब्ध होते हैं। प्रशिक्षण के संयोजक डॉ. सतीश मेहता रहे। सूत्रकृमि विभाग के अध्यक्ष डॉ. रामवीर सिंह कंवर, पौध रोग विभाग के वैज्ञानिक डॉ. राकेश चुघ, डॉ. विनोद मलिक, डॉ. मनमोहन, डॉ. जगदीप, केवीके सिरसा के डॉ. दलीप कुमार, छात्र कल्याण निदेशालय के सह-निदेशक डॉ. ओमेन्द्र सांगवान मौजूद रहे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम अमर उजाला, दैनिक भास्कर
दिनांक 6.2.2020 पृष्ठ सं 3, 11 कॉलम 6, 1

हकृवि में खुंब उत्पादन तकनीक पर लगाया प्रशिक्षण शिविर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में अनुसूचित जाति व जनजाति के स्नातक व स्नातकोत्तर छात्रों के लिए दस दिवसीय खुंब उत्पादन तकनीक पर प्रशिक्षण शिविर लगाया गया। शिविर में 36 छात्रों ने भाग लिया। समारोह के मुख्यातिथि के तौर पर पहुंचे पौद्य रोग विभाग के रिटायर्ड प्राध्यापक डॉ. सुरजीत सिंह ने कहा कि हरियाणा सालाना 20 हजार मीट्रिक टन खुंब उत्पादन करके देश में अग्रणी स्थान प्राप्त कर चुका है।

उन्होंने कहा कि छात्र पढ़ाई पूरी करने के बाद खुंब से संबंधित व्यवसाय जैसे स्पॉन प्रयोगशाला, कम्पोस्टिंग यूनिट, खुंब प्रसंस्करण इत्यादि की इकाईयां लगा कर स्वरोजगार प्राप्त कर सकते है तथा दूसरों को रोजगार दे सकते हैं। इस मौके पर पौध रोग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार, सूत्रकृमि विभाग के अध्यक्ष डॉ. रामवीर सिंह कंवर, पौध रोग विभाग के वैज्ञानिक डॉ. राकेश चुघ, डॉ. विनोद मलिक, डॉ. मनमोहन, डॉ. जगदीप, केवीके सिरसा के डॉ. दलीप कुमार ने विभिन्न विषयों पर अपने व्याख्यान दिए।

खुंब उत्पादन में हरियाणा देशभर में अग्रणी : सिंह

हिसार। हकृवि में स्वर्ण जयंती समारोह के उपलक्ष्य में अनुसूचित जाति व जनजाति के स्नातक व स्नातकोत्तर छात्र और छात्राओं के लिये दस दिवसीय खुम्ब उत्पादन तकनीक पर प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। जिसमें 36 छात्र व छात्राओं ने भाग लिया। यह प्रशिक्षण छात्र कल्याण निदेशालय तथा पौद्य रोग विभाग के तत्वाधान में आयोजित किया गया। इस समारोह के मुख्य अतिथि के तौर पर पौद्य रोग विभाग के रिटायर्ड प्राध्यापक डॉ. सुरजीत सिंह उपस्थित थे। डॉ. सुरजीत सिंह ने कहा कि हरियाणा प्रान्त 20,000 मैट्रिक टन सालाना खुम्ब उत्पादन करके देशभर में अग्रणी स्थान प्राप्त कर चुका है। उन्होनें कहा कि छात्र पढ़ाई पूरी करने के बाद खुम्ब से संबंधित व्यवसाय स्पॉन प्रयोगशाला, कम्पोस्टिंग यूनिट, खुम्ब प्रसंस्करण इत्यादि की इकाईयां लगा कर स्वरोजगार प्राप्त कर सकते हैं।

लोक संपर्क कार्यालय

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम......दैनिक भास्कर......

दिनांक 6.2.2020 पृष्ठ सं. 2 कॉलम 6-8

हिन्दी ओलिंपियाड की परीक्षा में एचएयू कैम्पस विद्यालय के चार छात्रों ने जीता गोल्ड मेडल, प्रशास्ति पत्र भी दिया

सिटी रिपोर्टर • एचएयू के कैम्पस विद्यालय में हिन्दी विकास मंच की तरफ से हिन्दी ओलंपियाड की परीक्षा संचालित की गई। इसमें विद्यालय के दस छात्रों ने स्वर्ण पदक हासिल किया। जानकारी देते हुए प्रधानाचार्य सोमा शेखरा शर्मा धुलिपाला ने बताया कि परीक्षा में कक्षा प्रथम से दशम तक के 107 विद्यार्थियों ने बड़े उत्साह से हिस्सा लिया। विद्यालय की प्रातः कालीन सभा में यह जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि विद्यालय के चार छात्रों ने स्वर्ण, 10 छात्रों ने रजत, 10 छात्रों ने कांस्य पदक प्राप्त किए। सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों को प्रशास्ति पत्र दिए गए। विद्यालय ने राष्ट्रीय हिन्दी ओलंपियाड की इस प्रतियोगिता में पहली बार हिस्सा लिया व विद्यार्थियों का प्रदर्शन शानदार रहा।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम अमर उजाला, पंजाब केसरी
दिनांक 6.2.2020 पृष्ठ सं. 2, 2 कॉलम 1-2, 7-8

हिंदी ओलंपियाड में छात्रों ने जीते 24 पदक

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कैंपस विद्यालय में हिंदी विकास मंच ने हिंदी ओलंपियाड की परीक्षा ली। प्रधानाचार्य सोमा शेखरा ने बताया कि परीक्षा में पहली से 10वीं तक के 107 विद्यार्थियों ने भाग लिया। परीक्षा में स्कूल के चार छात्रों ने स्वर्ण, दस छात्रों ने रजत, दस छात्रों ने कांस्य पदक प्राप्त किए। सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र भी वितरित किए गए। हिंदी विभागाध्यक्ष सुषमा चौधरी ने बताया कि विद्यार्थियों के समुचित विकास के लिए स्वभाषा पर मजबूत पकड़ होनी चाहिए। भाषा शुद्ध एवं परिष्कृत होनी चाहिए।

हिंदी ओलिम्पियाड के विजेताओं को किया सम्मानित

विजेता विद्यार्थियों के साथ प्रधानाचार्य व अध्यापक।

हिसार, 5 फरवरी (ब्यूरो): चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कैम्पस विद्यालय में हिंदी विकास मंच की ओर से हिंदी ओलिम्पियाड की परीक्षा संचालित की। प्रधानाचार्य सोमा शेखरा शर्मा धुलिपाला ने बताया कि इस परीक्षा में कक्षा प्रथम से दशम तक के 107 विद्यार्थियों ने भाग लिया। विद्यालय के 4 छात्रों ने स्वर्ण, 10 छात्रों ने रजत, 10 छात्रों ने कांस्य पदक प्राप्त किए। सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र भी वितरित किए गए।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम..........नभ छोर, सिटी पल्स..........
दिनांक....5-2-2020.......... पृष्ठ सं....6, 2.......... कॉलम....7-8, 3-6

औषधीय फसलों की खेती का प्रशिक्षण कल से

हिसार/05 फरवरी/रिपोर्टर
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के औषधीय, सुगंध एवं क्षमतावान फसल अनुभाग, अनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग द्वारा दो दिन का औषधीय फसलों की खेती पर किसानों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कल से किया जा रहा है। डॉ. राजेश आर्य, ने बताया कि इसमें विभिन्न वैज्ञानिकों द्वारा औषधीय फसलों की खेती करने सम्बन्धी जानकारी दी जाएगी। इस प्रशिक्षण के लिए 50 उम्मीदवारों का चयन विभागीय चयन समिति द्वारा पहले आओ पहले पाओ के आधार पर किया जाएगा। किसानों के लिए प्रशिक्षण के दौरान जल-पान, खाना तथा रहने की सुविधा निःशुल्क होगी। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन सुपारी और मसाला विकास निदेशालय, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, कालिकट, केरल के सौजन्य से किया जा रहा है। अधिक जानकारी के लिए दूरभाष संख्या 9466035659 पर सम्पर्क करें।

हकृवि में औषधीय फसलों की खेती का दो दिवसीय प्रशिक्षण 6 से

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के औषधीय, सुगंध एवं क्षमतावान फसल अनुभाग, अनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग द्वारा दो दिन का औषधीय फसलों की खेती पर किसानों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 6-7 फरवरी को किया जा रहा है। डॉ. राजेश आर्य, ने बताया कि इसमें विभिन्न वैज्ञानिकों द्वारा औषधीय फसलों की खेती करने सम्बन्धी जानकारी प्रदान की जाएगी। इस प्रशिक्षण के लिए 50 उम्मीदवारों का चयन विभागीय चयन समिति द्वारा पहले आओ पहले पाओ के आधार पर किया जाएगा। किसानों के लिए प्रशिक्षण के दौरान जल-पान, खाना तथा रहने की सुविधा निःशुल्क होगी। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन सुपारी और मसाला विकास निदेशालय, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, कालिकट, केरल के सौजन्य से किया जा रहा है।